CAREER & EDUCATION

अमर उजाला उड़ान

वर्ष 09 | अंक 09 | बुधवार | 24 फरवरी 2021 | ₹1

आप भी बोलें धाराप्रवाह अंग्रेजी

PAGE 03

सक्सेज मंत्रा

बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए क्या हो सकती है बेहतरीन रणनीति...

PAGE 10

एजुकेशन

एक अनुबंध प्रबंधक को देश के अनुबंध अधिनियम का गहरा ज्ञान होना चाहिए...

VISIT…

उदासीनता लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे खराब किस्म की बीमारी है।
- डॉ. भीमराव अंबेडकर

विनयशीलता और सफलता हैं

एक सिक्के के दो पहलू

व्यक्ति के स्वभाव में विनय का भाव जितना ज्यादा होता है, सफलता का स्तर उतना ही ऊंचा होता चला जाता है। हम विनय के अभाव में न तो एक सभ्य समाज बनाने में योगदान कर सकते हैं और न ही लंबे समय तक अपना अस्तित्व बनाये रख सकते हैं। क्योंकि सफलता का हमारे अस्तित्व में खास महत्व होता है। यदि हम सफल नहीं होंगे तो एक नीरस जीवन के साथ अपने अस्तित्व के प्रति संघर्ष करते नजर आएंगे। जो कि खुद के साथ-साथ किसी के भी हित में नहीं है। विनय एक ऐसा गुण है जो अगर हमारे स्वभाव में समाहित हो जाए तो भले ही आस-पास कितना भी नकारात्मक माहौल क्यों न हो, उसमें भी सफलता अर्थात काम करने की गुंजाइश बन जाती है।

हमारी सोच व व्यवहार एक आत्मीय, सहज एवं सुखद माहौल को बनाने में खास भूमिका निभाते हैं। विनम्रता से कहा गया एक शब्द हजार शब्दों जितनी ताकत रखता है, जो कि सामने वाले के क्रोध को पल भर में शांत कर सकती है। अगर मन और बुद्धि में स्पष्टता हो, तो विनय एक मजबूत सहयोगी की तरह काम करता है। प्रतियोगिता के इस दौर में 'मैं और मेरा' का भाव कहीं न कहीं छिपा रहता है। ऐसे में हम प्राय: उन सभी तर्कों और सार्वभौमिक मूल्यों को भी उपेक्षित कर देते हैं, जो हमारे जीवन को सर्थकता और अर्थ प्रदान करते हैं। माहान विचारक जेम्स मैथ्यू बेरी ने 'विनय को जीवन का एक लंबा सबक' माना है।

अ अमर उजाला
समूह का प्रकाशन
नवोन्मेषक स्व. अतुल माहेश्वरी

अमर उजाला लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक वीरेंद्र सिंह पठानिया द्वारा अमर उजाला लिमिटेड, सी-21, सेक्टर 59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन्स प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18, 19, 20, सेक्टर-59, नोएडा-201301 (गौतमबुद्ध नगर) से मुद्रित।

संपादक. देव प्रकाश चौधरी
फोन. 120-4694000, 2583354 फैक्स. 0120-2587325

RNI No. UPHIN/2012/48168
ई-मेल. asktoudaan@amarujala.com

बोर्ड और प्रतियोगी परीक्षा की रणनीति

बोर्ड परीक्षा के प्रश्नों में परंपरागत पद्धति होती है, जबकि प्रवेश परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों की रणनीति अपनाई जाती है...

बोर्ड परीक्षाओं की तारीख घोषित होने के साथ ही अपने कॅरिअर की दीर्घकालिक योजना बना चुके छात्र असमंजस में पड़ गए हैं कि बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं की तैयारियां एक साथ कैसे की जाए। महामारी के इस दौर में दोनों परीक्षाएं उनके लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं। बारहवीं की परीक्षा जहां बच्चों के बेहतरीन कॅरिअर की बुनियाद बनाने का शुरुआत होती है, वहीं इसके साथ ही प्रवेश परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर छात्र तनावपूर्ण स्थिति में आ जाते हैं। हालांकि बारहवीं बोर्ड परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षा की एक साथ तैयारी करना बहुत जटिल होता है, लेकिन छात्रों को समझना चाहिए कि प्रवेश परीक्षा की तुलना में बारहवीं का सिलेबस सीमित और निर्धारित रहता है। वहीं, प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की दक्षता परखी जाती है। लिहाजा सफल कॅरिअर बनाने के लिए दोनों परीक्षाओं के बीच रणनीतिक संतुलन बनाते हुए तैयारी करना बहुत जरूरी होता है।

टाइम टेबल

यह कहना तो आसान लगता है कि टाइम टेबल बनाकर तैयारी की जा सकती है लेकिन इसका पालन करना बहुत कठिन होता है। परीक्षा की इस आखिरी घड़ी में टाइम टेबल बदलकर तैयारी करने की सलाह देना उचित नहीं है क्योंकि नई समय सारिणी के अनुकूल तैयारी करने में कई तरह की कठिनाइयां आती हैं। लेकिन इस समय यदि व्यवस्थित तरीके से तैयारी की जाए तो छात्रों को अपना कमजोर पहलू समझने और उसमें सुधार करने में मदद मिलती है।

मॉक टेस्ट

अपनी तैयारी का स्तर परखने के लिए छात्रों को नियमित रूप से मॉक टेस्ट में शामिल होने की सलाह दी जाती है। इससे उन्हें अपना कमजोर पक्ष और एकाग्रता का स्तर परखने में भी मदद मिलेगी। दोनों परीक्षाओं की प्रश्न पद्धति अलग-अलग होती है। बोर्ड परीक्षा के प्रश्नों में परंपरागत पद्धति होती है जबकि प्रवेश परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्नों की रणनीति अपनाई जाती है। मॉक प्रैक्टिस करने से आपको किसी खास पाठ और विषय से जुड़े बेसिक और उच्च स्तरीय प्रश्नों की पहचान करने में मदद मिलेगी।

एक साथ तैयारी की दुविधा

एक साथ तैयारी करने की सबसे बड़ी दुविधा एक टॉपिक से दूसरे टॉपिक में घालमेल हो जाने की रहती है। ऐसे टॉपिक की पहचान करना और अन्य महत्वपूर्ण टॉपिक्स से जितनी जल्दी हो सके, अलग करके पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। इससे न सिर्फ आपका कीमती वक्त बचेगा, बल्कि दोनों परीक्षाओं परिणाम भी सकारात्मक आएंगे। किसी छात्र को बेहतरीन तैयारी पर केंद्रित होने के लिए उचित विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में पढ़ाई करना हमेशा अहम माना जाता है और तैयारी के दौरान उनका वक्त जाया नहीं होता है। बहुत संभावना रहती है कि छात्रों के आसपास कुछ नकारात्मक विचारों वाले और विघ्न डालने वाले लोग हों, जो उनके मन में भय कर दें। ऐसे हालात में खुद पर यकीन करें और तैयारी के इन आखिरी क्षणों में अपने प्रयासों से आपने जो अर्जित किया है, उस पर भरोसा करें।

अंकित कपूर
प्रबंध निदेशक, प्रथम टेस्ट प्रेप

समय का प्रबंधन है बेहद जरूरी

बोर्ड के एग्जाम हो या फिर एंट्रेंस टेस्ट अथवा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी। इन परीक्षाओं की तैयारी में समय का प्रबंधन बहुत अहम भूमिका निभाता है। सफलता की पहली सीढ़ी तनाव मुक्त रहते हुए तैयारी करना है इसलिए छात्रों को परीक्षा का तनाव लिए बिना रणनीति बनानी चाहिए। बहुत संभावना है कि उनके आसपास कुछ लोग नकारात्मक विचारों वाले, भ्रमित करने और मन में भय पैदा करने वाले होंगे।

पर्सनालिटी डेवलपमेंट

आप भी बोल सकते हैं धाराप्रवाह अंग्रेजी

फ्लूएंट इंग्लिश बोलना व्यक्ति के पद, प्रतिष्ठा, प्रोफाइल, कॅरिअर और सक्सेस का गोल्डन पासपोर्ट माना जाता है और समय के साथ-साथ इसका क्रेज तेजी से बढ़ता जा रहा है....

श्री प्रकाश शर्मा
प्राचार्य, जवाहर नवोदय विद्यालय, मामित, मिजोरम

दक्षिण अफ्रीका के प्रथम अश्वेत भूतपूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला ने एक बार कहा था, " यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं, जो वह समझता है तो वह उसके मस्तिष्क में प्रवेश करता है। किन्तु यदि आप उससे उसकी अपनी भाषा में बात करते हैं तो वह सीधा उसके दिल में उतरता है।" अंग्रेजी भाषा का महत्व इससे अलग नहीं है।

ग्लोबलाइजेशन और लिब्रलाइजेशन के मॉडर्न युग में अंग्रेजी कम्युनिकेशन के एक प्रभावी और सशक्त माध्यम के रूप में स्थापित हो चुका है। आपको यह जानकर हैरत होगी कि भारत वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद विश्व का दूसरा बड़ा अंग्रेजी बोलने वाला देश है। प्रायः 136 करोड़ आबादी वाले अपने देश भारत में इंग्लिश बोलने वालों की संख्या तकरीबन 14 करोड़ है, जो कि देश की आबादी का प्रायः 10 फीसदी है। इसकी लोकप्रियता के कारण इसे पूरी दुनिया में लिंगुआ फ्रैन्का (lingua franca) कहा जाता है। इसका अर्थ यह है कि विश्व भर में विभिन्न मातृभाषा बोलने वाले लोगों के मध्य इंग्लिश कम्युनिकेशन के सबसे कॉमन माध्यम के रूप में कार्य करता है। फ्लूएंट इंग्लिश बोलना हाई पोस्ट, प्रेस्टीज, प्रोफाइल, कॅरिअर और सक्सेस का गोल्डन पासपोर्ट माना जाता है। धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने का क्रेज समय के साथ बड़ी तीव्र गति से बढ़ता जा रहा है। लेकिन नॉन-नेटिव स्पीकर्स के लिए दुर्भाग्यवश अंग्रजी बोलना आसान कार्य नहीं है। यह एक कठिन विधा है जिसपर मास्टरी हासिल करने के लिए कठिन मिहनत, धैर्य और निरंतर प्रैक्टिस की दरकार होती है।

जरुरी है ग्रामर के बेसिक्स का ज्ञान

किसी भी भाषा का ग्रामर एक जहाज के बेकन लाइट का काम करता है, जो उसे सही रास्ता दिखाता है। इसलिए सबसे पहले अंग्रेजी के ग्रामर के बेसिक्स के रूप में टेंस, सिंटेक्स, पंक्चुएशन और प्रिपोजीशन का ज्ञान जरूरी होता है। इनसे धारा प्रवाह इंग्लिश स्पीकिंग का आधार तैयार हो जाता है।

गलतियां करने से डरें नहीं

सच पूछिये तो अंग्रेजी बोलने के क्रम में गलतियां करने का डर सबसे बड़ी बाधा के रूप में कार्य करता है। जब भी हम अंग्रेजी में कुछ बोलना शुरू करते हैं, तो हमारे मन में यह डर बैठ जाता है कि कहीं हमसे कुछ गलत न हो जाए और इस कारण हम परेशान हो जाते हैं। अंग्रेजी बोलने के क्रम में इस प्रकार के डर पर विजय पाना बहुत ही जरुरी है। हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि किसी भी विधा में बिना गलती किए उस पर मास्टरी हासिल नहीं की जा सकती है।

सीखें और आगे बढ़ें

इस तथ्य से इनकार करना आसान नहीं होता है कि असफलताओं से सीखकर ही इंसान आगे बढ़ता है। यदि किसी मौके पर आप इंग्लिश फ्लूएंटली नहीं बोल पाते हैं, तो घबराएं नहीं, बल्कि ऐसी असफलता के बाद खुद का विश्लेषण करें और यह पता लगाने की कोशिश करें कि आखिर आपसे गलतियां कहां होती हैं। इस प्रकार कॉंफिडेंट आएगा और अंग्रेजी बोलना आसान होगा।

शब्द शक्ति है, इसे समृद्ध करते रहें

क्या आपने कभी खुद से यह प्रश्न पूछा है कि हम बिना रुके हुए अंग्रेजी क्यों नहीं बोल पाते हैं? आखिर हम बोलते-बोलते रूक क्यों जाते हैं? दरअसल बोलने के क्रम में हम ग्रामर के नॉलेज के अभाव के कारण नहीं बल्कि उचित शब्दों के अभाव के कारण घबरा जाते हैं और हमारा प्रवाह रुक जाता है। हमारी शब्द शक्ति जितनी अधिक होगी, हम उतनी ही स्पीड से बोलेंगे। इसलिए वर्ड पॉवर बढ़ाना बहुत जरुरी है। कॉलिंस, ऑक्सफोर्ड और लॉन्गमैन की डिक्शनरी अच्छी क्वालिटी की मानी जाती है। इनमें से कोई एक डिक्शनरी आपके पास अवश्य होनी चाहिए। बोलने में कठिन शब्दों का उपयोग न करें बोलने के क्रम में डिफिकल्ट और बड़े शब्दों के प्रयोग से श्रोता को आपकी बातों को समझने में कठिनाई होती है और फिर आप,, जो कहना चाहते हैं वह मैसेज अधूरा रह जाता है। इसके अतिरिक्त कठिन शब्दों के उच्चारण में भी परेशानी होती है जिसके कारण हम फर्राटेदार नहीं बोल पाते हैं।

छोटे वाक्यों का प्रयोग करें

जब भी आप इंग्लिश बोलने की शुरुआत करें तो शुरू में ही बड़े सेंटेंसेज का उपयोग नहीं करें। ऐसा करने से गलतियां होने की संभावना बढ़ जाती है। लिहाजा प्रारंभ में छोटे-छोटे वाक्यों का उपयोग करने से आपको कोई रुकावट नहीं होगी और कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

व्याकरण की गलतियों को नजरअंदाज करना जरूरी है

इंग्लिश बोलने के समय जब कोई स्पीकर ग्रामर की गलतियों से डर जाता है तो यह स्थिति काफी खतरनाक हो जाती है। इसलिए यदि आप धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना चाहते हैं तो आपको सबसे पहले इंग्लिश बोलने के क्रम में अपने मन से ग्रामर की होनेवाली गलतियों के भय को पूरी तरह से हटाना पड़ेगा। आपको यह मान कर चलना होगा कि बड़े-से-बड़े महान व्यक्ति भी बोलने के क्रम में इस प्रकार की गलतियां करते हैं। इसीलिए जब भी आप इंग्लिश बोलें तो ग्रामर के मिस्टेक्स को गंभीरता से नहीं लें।

अंग्रेजी बोलने वालो को सुनें और उनकी ट्रिक्स सीखें

आपने गौर किया होगा कि छोटे बच्चे माता-पिता और दोस्तों को बोलते देख व सुनकर भाषा बोलना सीख जाते हैं। इसीलिए टेलीविजन पर इंग्लिश में न्यूज सुनने से हमें काफी मदद मिल सकती है। सोशल मीडिया के मॉडर्न युग में यू-ट्यूब भी इस दिशा में काफी उपयोगी हो सकता है।

अंग्रेजी बोलने के लिए इन बातों पर भी ध्यान दें

- आपको अपनी कमजोरियों और क्षमताओं का ज्ञान होना चाहिए।
- जब आप किसी व्यक्ति के सामने, चाहे वह कितना ही बड़ा और महान सेलेब्रिटी क्यों न हों, बोल रहे हों, तो आत्म-विश्वास कभी न खोएं।
- इंग्लिश में वाक्यों के विभिन्न पैटर्न को सीखें और उन्हें याद भी रखें।
- शब्दों के करेक्ट उच्चारण को सीखने के लिए निरंतर अभ्यास करें।
- निरंतर प्रयास से ही आप पूर्ण बन सकते हैं और इसीलिए शुरू की असफलताओं और बाधाओं से बिना हताश हुए इंग्लिश बोलने की खूब प्रैक्टिस करते रहें।
- अपने जीवन में मातृभाषा की बजाय इंग्लिश में ही सोचें और कल्पना करें। ऐसा करने से इंग्लिश आपकी आदत में शामिल हो जाएगी और आपको इससे भय नहीं लगेगा।
- रोज एक इंग्लिश पेपर जरुर पढ़ें। ऐसा करने से इंग्लिश लैंग्वेज को जानने में काफी मदद मिलेगी।

आज के दौर में भले ही किसी भी उम्र के युवा को नौकरी न मिले, लेकिन स्वरोजगार के दरवाजे हर किसी के लिए खुले हैं...

डॉ. रुपक वशिष्ठ
सीईओ, अपेरल मेड-अप व होम फर्निशिंग सेक्टर स्किल काउंसिल

बनाएं कटिंग एवं टेलरिंग में कॅरिअर

कटिंग एवं टेलरिंग का काम एक ऐसा काम है, जिसमें 10 रुपये का धागा, बटन, दो सौ रुपये तक की कमाई का जरिया बनता है। वह दौर जा चुका है जब युवाओं के सामने रोजगार का संकट था। आज के दौर में भले ही किसी को नौकरी न मिले, लेकिन स्वरोजगार के दरवाजे हर किसी के लिए खुले हैं। आधुनिकीकरण ने इन स्वरोजगारों को जिस तरह बढ़ावा दिया है, उससे अब यह संकट भी नहीं रह गया है कि काम चलेगा या नहीं।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत सेल्फ इंम्पल्यॉड टेलरिंग के अंतर्गत स्किल्ड होकर आप अपना कॅरिअर बना सकते हैं। यह कोर्स भारत सरकार अपने खर्च में करवाती है। कोर्स सफलता पूर्वक करने के बाद स्किल सर्टिफिकेट व स्किल कार्ड भारत सरकार द्वारा मिलता है जो पूरे देश में मान्य है। स्किल सर्टिफिकेट मिलने के बाद मुद्रा लोन के लिए भी अप्लाई किया जा सकता है और लोन लेकर अपना स्वयं का व्यवसाय शुरु कर सकता है। पीकेवीवाई के तहत देश भर में फैले ट्रेनिंग नेटवर्क से यह कोर्स किया जा सकता है।

योग्यता : कटिंग एवं टेलरिंग का कोर्स करने के लिए अगर आप 8वीं या 10वीं पास भी हैं, तो भी इस क्षेत्र में अपना कॅरिअर बना सकते हैं। अपेरल, खादी एवं ग्रामोद्योग केंद्रों में केवल हिंदी जानने वाले अभ्यार्थी ही प्रवेश पा सकते हैं। कुछ संस्थान 12वीं पास को ही प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हैं। अगर इसके साथ डिजाइनिंग को कोर्स भी करना चाहते हैं इसके लिए अभ्यर्थी को कम से कम 12वीं पास /स्नातक होना चाहिए।

फीस: सभी संस्थान अपने द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं, कोर्स की अवधि और प्रबंधन के मानदंड के आधार पर ही फीस वसूलते हैं। खादी ग्रामोद्योग में सामान्य अभ्यर्थियों से 100 रुपये के प्रॉस्पेक्टस के अलावा 200 रुपये महीने फीस ली जाती है, जबकि महिलाओं, विकलांगों, अनुसूचित जाति, अनूसूचित जनजाति के लोगों से कोई फीस नहीं ली जाती है। रॉ मैटेरियल प्रशिक्षणार्थी को अपने पास से लाना होता है। प्राइवेट संस्थानों में एक से 15 हजार रु. तक की फीस ली जाती है।

मशीनें व अन्य जरुरी चीजें:- काम शुरु करने के लिए चार अलग-अलग मशीनों की जरुरत पड़ेगी। इस में सिलाई मशीन, पीकों मशीन, इंटरलॉक मशीन और एम्ब्रॉयडरी यानी कढ़ाई मशीन आदि शामिल है। इन मशीनों के अलावा इस काम में इंचीटेप, कैंची, टेलर चॉक, प्रेस और धागे की जरुरत होती है। शिक्षा के पेपर या कटिंग एंव टेलरिंग का सर्टिफिकेट या दोनों मांग सकता हैं साथ ही आपको स्थायी पता व आईडी प्रूफ की भी जरुरत पड़ेगी। अगर आपने अपेरल एवं खादी ग्रामोद्योग से प्रशिक्षण प्राप्त किया है तो आप प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत सर्टिफिकेट पर लोन ले सकते हैं। इसमें अधिकतम लोन की सीमा पच्चीस लाख रुपये है।

बेहतर करियर के लिए

इस क्षेत्र में अगर आप बेहतर करियर बनाना चाहते हैं तो आप को कटिंग एवं टेलरिंग के साथ डिजाइनिंग की जानकारी यानी आर्ट का सही ज्ञान होना चाहिए। इसके साथ ही आपको बाजार में आ रहे कपड़ों के नए-नए डिजाइन की जानकारी और उन्हें तैयार करने का हुनर भी आना चाहिए।

कोर्स की अवधि

कोर्स की अवधि भी सभी संस्थानों में अलग अलग है। अधिकतर संस्थानों में तीन महीने से दो साल तक के कोर्स कराए जाते है। दो साल के कोर्स में कटिंग एवं टेलरिंग के साथ डिजाइनिंग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

जॉब छोड़ने से पहले...

प्रोफेसर डॉ. अजय जोशी
कॅरिअर काउंसलर

कोरोना काल में निरन्तर जॉब जाने की खबरें लगातार सुर्खियों में रहीं, लेकिन यदि नौकरी छोड़ने का निर्णय खुद का हो, तो इस महत्वपूर्ण निर्णय को लेने से पहले बहुत सोच विचार और संयम से काम लें। सबसे पहले तो यह विचार करें कि आप नौकरी क्यों छोड़ना चाहते हैं?

ज्यादातर यह देखने में आया है कि युवा निजी क्षेत्र में चल रही नौकरी को इसलिए छोड़ देते हैं कि उन्हें सरकारी नौकरी की तैयारी करनी है और उस के लिए समय नहीं मिल पा रहा है। ठंडे दिमाग से विचार करेंगे तो यह निर्णय नहीं लेंगे। यदि आपको लगता है कि बिना नौकरी छोड़े तैयारी संभव ही नहीं है तो प्रयास करें कि आपको अवकाश मिल जाए, वह चाहे बिना वेतन के ही क्यों न हो। इससे आपके जॉब की सुरक्षा रहेगी। किसी कारण आपको अपनी पसंद का जॉब नहीं मिल पाया तो कम से कम वह पुरानी नौकरी तो बनी रह ही सकती है। यदि नौकरी बिना छोड़े तैयारी बिलकुल ही सम्भव नहीं है तो आप यह देख लें कि कितने समय में नई नौकरी की परीक्षा, इंटरव्यू आदि होकर आप चुने जा सकते हैं और ज्वॉइन कर सकते हैं, अधिकतम उस समय पूर्व ही पुरानी नौकरी छोड़े। उस नौकरी को छोड़ते समय वहां के बॉस और अन्य साथियों से मधुर संबंध बनाये रखते हुए ही नौकरी छोड़ें ताकि भविष्य में भी पुराने साथियों से संबंध बने रहे।

कुछ लोग किसी नए बॉस के आने और उससे तालमेल नहीं बिठा पाने के कारण परेशान होकर जल्दबाजी में नौकरी छोड़ बैठते हैं। नौकरी में बिना मतलब अकड़ और ईगो का कोई स्थान नहीं होता। यदि बॉस से पटरी नहीं बैठ रही है तो उन कारणों का पता करें जिनके चलते पटरी नहीं बैठ पा रही और आपके मन में नौकरी छोड़ने का विचार आ रहा है ।यदि बॉस को आपकी कोई आदत और कार्य शैली पसंद नहीं है तो उनसे उस पर खुलकर बात करें आपके और उनके विचारों में जहाँ भी विरोधाभास है, उनका पता लगाएं और उनसे नियमित बातचीत करके अपना पक्ष पूरे संयम के साथ बताते रहें और अपनी बात को समझाने का प्रयास करें। हो सकता है कि कुछ ही समय में आपका उनसे ऐसा तालमेल बैठ जाय जिसकी खुद आपको भी आशा न हो। यदि किसी कारण तालमेल नहीं भी बैठे तो बॉस की बात मानने में भी संकोच भी नहीं करना चाहिए क्योंकि वह पद में आपसे बड़ा है और आपकी तुलना में उसके पास ज्यादा अधिकार भी है। यदि इस सब से आपका काम चल रहा हो तो चलने दें। यदि आप इधर उधर नज़र दौड़ाएंगे तो आपको ऐसे बहुत से लोग मिल जाएंगे जो मजबूरी में इसी तरह काम करते जा रहे हैं फिर आप भी करते जाइए। इस बीच अच्छे जॉब की तलाश करते रहें जब आपको अपनी पसंद का जॉब मिलना पक्का हो जाय तब आप अपनी नौकरी छोड़ सकते हैं।

नए जॉब की तलाश में नौकरी छोड़ने से पहले अपनी आर्थिक स्थिति का भी आकलन कर लेना चाहिए। मान लें आपको नई नौकरी मिलने में कम से कम छह माह लगने की संभावना है तो आप इस अवधि को 9 माह मानते हुए यह विचार करें कि क्या आपके पास इस अवधि में अपनी न्यूनतम जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त धनराशि है, क्या पढ़ाई कोचिंग के लिए आपके घर वाले पर्याप्त पैसा खर्च कर सकते हैं आदि। इस तरह आपको पछताना नहीं पड़ेगा।

अच्छा पैकेज ही सबकुछ नहीं

यदि किसी दूसरे जॉब में वर्तमान जगह से कुछ अच्छा पैकेज मिल रहा है, तो केवल इस आधार पर नौकरी को छोड़ने का निर्णय कतई न लें। कई बार दूर से अच्छा दिखने वाला पैकेज वास्तव में नुकसान वाला भी साबित हो सकता है। यह संभव है कि पैकेज तो अच्छा है लेकिन जॉब सिक्यूरिटी नहीं है, कार्य का वातावरण ठीक नहीं है, कार्यस्थल आपके निवास से काफी दूर है, तो इन सब बातों को देखते हुए उस नए जॉब को ज्वॉइन करना ज्यादा समझदारी नहीं मानी जा सकती। केवल अच्छे पैकेज के नाम पर नौकरी छोड़ने वालों की विश्वसनीयता भी नहीं रहती। ऐसी दशा में नए नियोक्ता को यह भी लग सकता है कि कल किसी और कंपनी ने उससे अच्छा ऑफर दिया तो यह हमारी नौकरी भी छोड़कर जा सकता है।

अपने सामान्य ज्ञान को बेहतर करने के लिए जरूरी है कि पिछली परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का पैटर्न समझा जाए...

निम्नलिखित में से किस शहर में भारत के प्रथम अंडरवॉटर मेट्रो प्रोजेक्ट की शुरुआत 2022 में होगी? (Uttar Pradesh Vidhan Shabha Exam 2021)

(a) मुंबई
(b) कन्नूर
(c) कोलकाता
(d) कोच्चि

जवाब: (c) कोलकाता

व्याख्या: भारत की पहली अंडरवॉटर मेट्रो का संचालन कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (KMRC) करेगी। हुगली नदी के भीतर बनी टनल 520 मीटर लंबी है और इसे पार करने में एक मिनट का वक्त लगेगा। इसे ईस्ट-वेस्ट मेट्रो के नाम से भी जाना जाता है। 16 किमी के मेट्रो लाइन को दो फेज में शुरू किया जाएगा। पहले चरण में साल्ट लेक सेक्टर-5 को साल्ट लेक स्टेडियम स्टेशन से जोड़ा जाएगा।

कोरोना (कोविड-19) की स्पूतनिक वैक्सीन निम्नलिखित में से किस देश ने विकसित की है? (Uttar Pradesh Vidhan Shabha Exam 2021)

(a) भारत (b) चीन
(c) रूस (d) कनाडा

जवाब: (c) रूस

व्याख्या: यह रूस के वैक्सीन है और हाल ही में डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज ने कोरोना के Sputnik V टीका के आपात उपयोग की मंजूरी पाने के लिये औषधि नियामक डीसीजीआई (DCGI) से संपर्क किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह समीक्षा प्रक्रिया के तहत दूसरे चरण के परीक्षण का सुरक्षा प्रोफाइल और तीसरे चरण के परीक्षण के अंतरिम आंकड़े प्रस्तुत करेगी, जिसके 21 फरवरी 2021 तक पूरा होने की उम्मीद है। हैदराबाद स्थित दवा कंपनी ने भारत में स्पूतनिक वी टीके के परीक्षण और वितरण के लिये रूसी प्रत्यक्ष निवेश कोष (आरडीआईएफ) के साथ करार किया है। अभी भारत में स्पूतनिक वी टीके का तीसरे चरण का ट्रायल चल रहा है।

निम्नलिखित में से कौन सा देश भारत का लघु रूप कहलाता है? (Uttar Pradesh Vidhan Shabha Exam 2021)

(a) बाली (b) थाईलैंड
(c) वियतनाम (d) मॉरीशस

जवाब: (d) मॉरीशस

व्याख्या: इस देश में लोगों की बसावट मुख्यतः औपनैवेशिक काल में गन्ने की खेती के लिए ले जाए गए भारतीय गिरमिटिया मज़दूरों द्वारा हुई। जिन्होंने यहां की संस्कृति को रूपाकार दिया है। इसीलिए मॉरीशस और भारत का बहुत गहरा नाता है। मॉरीशस को औपनिवेशिक शासन से आज़ादी दिलाने में भारतीय मूल के सर शिवसागर रामगुलाम ने अगुआई की थी। आज भी वहां हिन्दी और भोजपुरी का प्रचलन देखकर विदेशी जमीन पर भारतीय मिट्टी की महक महसूस की जा सकती है। यहां की 52 प्रतिशत आबादी हिंदू है तथा अन्य धर्मों के लोग भी यहां पर हैं, हिंदी तथा भोजपुरी का भी अच्छा ख़ासा प्रचलन है।

नीति आयोग ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में रूपांतरण हेतु राज्य सरकारों के साथ कौन सी योजना शुरू की है? (Uttar Pradesh Vidhan Shabha Exam 2021)

(a) शिक्षा और स्वास्थ्य प्रोग्राम
(b) शिक्षा और स्वास्थ्य नव प्रवर्तन प्रोग्राम
(c) साथ (SATH) प्रोग्राम
(d) स्वास्थ्य के साथ शिक्षा योजना

जवाब: (c) साथ (SATH) प्रोग्राम

व्याख्या:, 2017 को नीति आयोग द्वारा सहकारी संघवाद के एजेंडे को बढ़ावा देने हेतु 'साथ' (SATH-Sustainable Action for transforming Human Capital) मानव पूंजी के रूपांतरण हेतु स्थायी कार्यक्रम नामक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में परिवर्तन की शुरूआत करना है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य प्रणालियों हेतु तीन भविष्य के रोल मॉडल राज्यों को चिह्नित करना और निर्माण करना है। यह कार्यक्रम प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से चयनित मैकिन्से एंड कंपनी और आईपीई ग्लोबल कांसोर्टियम के साथ नीति आयोग द्वारा लागू किया जाएगा।

निम्नलिखित में से किस वर्ष परंपरागत कृषि विकास योजना को शुरू किया गया था? (Uttar Pradesh Vidhan Shabha Exam 2021)

(a) 2016
(b) 2015
(c) 2018

(d) 2019
जवाब: (b) 2015
व्याख्या: परम्परागत कृषि विकास योजना के तहत जैविक खेती को क्लस्टर पद्धति और पीजीएस प्रमाणीकरण द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है। भारत सरकार कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा वर्ष 2015-16 से इस नई-परम्परागत कृषि विकास योजना का शुभारम्भ किया गया है। इस योजना का उद्देश्य जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण और विपणन को प्रोत्साहन करना है।

चन्देरी का युद्ध किनके मध्य हुआ था? (Uttar Pradesh Vidhan Parishad Exam 2020)
(a) सांगा और इब्राहीम लोदी
(b) बाबर और मेदिनी राय
(c) इब्राहीम लोदी और मेदिनी राय
(d) बाबर और महमूद लोदी
जवाब: (b) बाबर और मेदिनी राय
व्याख्या: चंदेरी का युद्ध 1528 ई. में मुग़लों तथा राजपूतों के मध्य लड़ा गया था। खानवा युद्ध में राजपूतों को हराने के बाद बाबर कि नजर अब चंदेरी पर थी। उसने चंदेरी के तत्कालीन राजपूत राजा से वहां का महत्वपूर्ण किला मांगा और बदले में अपने जीते हुए कई किलों में से कोई भी किला राजा को देने की पेशकश की। इसलिए बाबर ने चंदेरी का युद्ध शेष राजपूतों के खिलाफ लड़ा। इस युद्ध में राजपूतों की सेना का नेतृत्त्व मेदिनी राय ने किया। इस युद्ध में मेदिनी राय की पराजय हुई। युद्ध के पश्चात् मेदिनी राय ने बाबर की अधीनता स्वीकार कर ली और महिलायों ने जौहर को स्वीकार करके सामूहिक आत्मदाह कर लिया।

विक्टोरिया झील किस महाद्वीप में स्थित है? (Uttar Pradesh Vidhan Parishad Exam 2020)
(a) ऑका
(b) एशिया
(c) ऑस्ट्रेलिया
(d) यूरोप
जवाब: (a) ऑका
व्याख्या: यह अफ्रीका की सबसे बड़ी झील है जो केन्या, तंजानिया और युगांडा में विस्तृत है, जबकि इसका प्रसार क्षेत्र बुरुंडी और रवांडा के कुछ हिस्सों तक विस्तृत है। यह विश्व की मीठे पानी की दूसरी सबसे बड़ी झील (प्रथम स्थान पर सुपीरियर झील) है। इसके साथ ही यह क्षेत्रफल की दृष्टि से विश्व की तीसरी सबसे बड़ी झील है (प्रथम और द्वितीय स्थान पर क्रमशः कैस्पियन सागर और सुपीरियर झील हैं)। यह श्वेत नील नदी का उदगम स्रोत भी है। यह विश्व की सबसे बड़ी उष्णकटिबंधीय झील भी है। विक्टोरिया झील अपने उच्च स्तर के अद्वितीय जैव विविधता के लिये जानी जाती है। जिसका बेसिन मत्स्यपालन, जंगलों, आर्द्रभूमियों और रेंजलैंड सहित विशाल प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है, जो स्थानीय समुदायों को भोजन और स्वच्छ पानी तथा उन्हें आजीविका प्रदान करने में मदद करते हैं।

मुकर्थी शिखर किस राज्य में स्थित है? (Uttar Pradesh Vidhan Parishad Exam 2020)
(a) केरल (b) तमिलनाडु
(c) कर्नाटक (d) महाराष्ट्र
जवाब: (b) तमिलनाडु
व्याख्या: मुकर्थी शिखर तमिलनाडु में स्थित पश्चिमी घाट वाले हिस्से का सबसे बड़ा शिखर है। इसकी ऊंचाई 2554 मी है और दक्षिण भारत की यह पांचवीं सबसे ऊंची चोटी है। यह मुकर्थी राष्ट्रीय उद्यान में स्थित है तथा टोडा जनजाति भी यहीं निकट में निवास करती है। पिछले वर्ष यह क्षेत्र वनाग्नि के कारण चर्चा में था।

प्रकाश को दोहरी प्रकृति का क्यों कहा जाता है? (Uttar Pradesh Vidhan Parishad Exam 2020)
(a) यह तरंग व कणों के गुण प्रदर्शित करता है।
(b) यह परावर्तन और विवर्तन के गुण प्रदर्शित करता है।
(c) इसमें व्यतिकरण और ध्रुवीकरण दोनों का प्रभाव देखा जाता है।
(d) यह प्रकाश विद्युत प्रभाव दिखाता है।
जवाब: (a) यह तरंग व कणों के गुण प्रदर्शित करता है।
व्याख्या: प्रकाश की दोहरी प्रकृति का अर्थ है कि प्रकाश में तरंग और कण जैसे गुण होते हैं। कुछ प्रयोग व्यतिकरण जैसे प्रकाश की तरंग प्रकृति की पुष्टि करते हैं और कुछ प्रयोग प्रकाश की कण प्रकृति की पुष्टि करते हैं जैसे प्रकाशविद्युत प्रभाव। पहले मैक्सवेल ने प्रकाश को तरंग के रूप में माना तथा इस तरह वे परावर्तन, अपवर्तन, ध्रुवण, विवर्तन और व्यतिकरण की व्याख्या तो कर सके पर प्रकाश वैद्युत प्रभाव और कॉम्पटन प्रभाव इत्यादी की नहीं, वहीं मैक्स प्लांक ने इसे कण के रूप में मानकर इनकी व्याख्या की। डी-ब्रोग्ली ने दोनों के रूप में प्रकाश की प्रकृति को समझाया।

-संकलनकर्ता: जितेश जोशी

एलएसईएफ-यूमॉस

स्कॉलरशिप के तीसरे एडिशन की वापसी

जयपुर: कोरोना वायरस महामारी के समय में जब विदेश में पढ़ने का मौका धूमिल होता जा रहा है तब ऐसे समय में लक्ष्मीपत सिंघानिया एजुकेशन फाउंडेशन (एलएसईएफ) और यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुएट्स-एमहर्स्ट (यूमॉस) ने एक बार फिर बहूप्रतीक्षित एलएसईएफ-यूमॉस स्कॉलरशिप की शुरुआत की। इस प्रोग्राम में छात्र 2 साल का पोस्ट ग्रेज्युएट पढ़ाई करते हैं जिसमे से पहला साल भारत में होस्ट इंस्टीट्यूशन- जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी, जयपुर में होगा और दूसरा साल यूनिवर्सिटी ऑफ़ मैसाचुएट्स-एमहर्स्ट (यूमॉस) में होगा। इससे दोहरी डिग्री मिलेगी। इस स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने वाले छात्र भारतीय होने चाहिए, जिन्होंने भारत में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान या यूनिवर्सिटी से किसी भी विषय में न्यूनतम तीन साल की अंडरग्रेजुएट (बैचलर) की डिग्री जुलाई 2021 से पहले पूरी की हो। इस स्कॉलरशिप का आवेदन करने के लिए यही पात्र हैं। आवेदक को न्यूनतम 12 वीं कक्षा या इसके समकक्ष तक गणित का विषय लिया होना चाहिए। इसके साथ ही आवेदक ग्रेजुएशन, 12वीं और 10वीं कक्षा (या इसके समकक्ष) में न्यूनतम 75% अंक प्राप्त किए हो। छात्र तीन प्रोग्राम में से एक के लिए आवेदन कर सकते हैं- पहला प्रोग्राम एमएस इन डेटा एनालिटिक्स और कम्प्यूटेशनल सोशल साइंस, दूसरा एमएस इन रिसोर्स इकोनॉमिक्स, और तीसरा प्रोग्राम मास्टर ऑफ पब्लिक पॉलिसी है।

प्रिय पाठकों...
उड़ान में प्रकाशित लेख व जानकारियां कॅरिअर एवं एजुकेशन एक्सपर्ट्स द्वारा उपलब्ध कराई जाती हैं। हम पूरी सावधानी से इन्हें प्रकाशित करते हैं। फिर भी, किसी जानकारी या लेख में आपको कोई त्रुटि लगे या उड़ान को बेहतर बनाने के लिए आपका कोई सुझाव/शिकायत हो, तो आप हमसे asktoudaan@amaru-jala.com पर संपर्क कर सकते हैं। - धन्यवाद।

अनुबंध प्रबंधन में बनें एक कुशल प्रबंधक

भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872; में भारत में अनुबंधों से संबंधित कानून का वर्णन है एवं यह महत्वपूर्ण है कि किसी भी अनुबंध प्रबंधक को इस अधिनियम का गहरा ज्ञान होना चाहिए...

वालेस जेकब
मैनेजमेंट प्रोफेसर

आज के समय में अनुबंध किसी भी व्यवसाय के लिए मौलिक हैं। अनुबंध प्रबंधन में तनिक भी कमी के कारण परियोजनाएं रद्द हो सकतीं हैं, विकास पहल विफल हो सकतें हैं एवं कुछ मामलों में मानव जीवन को खतरा भी हो सकता है। अनुबंध दो या दो से अधिक पार्टियों के बीच एक बाध्यकारी कानूनी दायित्व होता है। अनुबंध वह समझौता जिसमें पक्षकार लाभ का आदान-प्रदान करते हैं। सभी अनुबंधों में प्रस्ताव, विचार और स्वीकृति के बुनियादी सिद्धांत शामिल होते हैं। मूल रूप से अनुबंध में एक पक्ष प्रस्ताव देता है और दूसरा पक्ष उस प्रस्ताव को स्वीकार करता है। अनुबंध की औपचारिकता के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति का मिलान होना चाहिए। अनुबंध प्रबंधक को निविदा प्रक्रिया का गहन ज्ञान होना आवश्यक है।

अनुबंध के प्रकार

अनुबंध कई प्रकार के हो सकते हैं, जैसे कीः वैध अनुबंध, रद्द किया जा सकने वाला अनुबंध, शून्य अनुबंध, अप्राप्य संविदा, गैरकानूनी अनुबंध, अभिव्यक्त अनुबंध, अंतर्निहित अनुबंध, -वत् अनुबंध, निष्पादन अनुबंध, एकतरफा अनुबंध और द्विपक्षीय अनुबंध।

अनुबंध प्रबंधन के चरण

प्रारंभिक अनुरोध : इस चरण में एक पक्ष अनुबंध प्रक्रिया के लिए पहल करता है और दूसरे पक्ष से जानकारी प्राप्त करने के बाद प्रारंभिक अनुबंध दस्तावेज़ तैयार करता है।

अनुबंध संलेखन : इस चरण में विस्तृत अनुबंध दस्तावेज तैयार किये जाते हैं जिनमे सभी खंड, नियम और शर्तें शामिल होती हैं। दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी भी निर्धारित किये जाते हैं।

अनुबंध की मंजूरी : इस चरण में अनुबंध दस्तावेजों को आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों एवं वकीलों के समक्ष विवेचना एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

अनुबंध का निष्पादन: इस चरण में कार्य एवं गतिविधियों का रिकॉर्ड रखा जाता है।

दायित्व प्रबंधन: इस चरण में जरूरत के अनुसार अनुबंध संशोधन, अनुबंध का लेखापरीक्षण एवं नवीनीकरण या समापन किया जाता है।

उत्कृष्ट पुस्तकें

- बी एस रामास्वामी द्वारा लिखित कॉन्ट्रैक्ट्स एंड दिएर मैनेजमेंट
- अनुज सक्सेना द्वारा लिखित एंटरप्राइज कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट
- अनुराग अग्रवाल द्वारा लिखित कॉन्ट्रैक्ट्स एंड आर्बिट्रेशन फॉर मैनेजर्स

प्रमुख संस्थान

- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कोल् मैनेजमेंट
- नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दुर्गापुर
- नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट एंड रिसर्च
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट अहमदाबाद द्वारा अनुबंध प्रबंधन पर लघु अवधि के पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

INITIATIVE

सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल

लखनऊ परिसर में किया आधुनिक इमारत का उद्घाटन

लखनऊ के शहीद पथ पर सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल ने 16 फरवरी को अपने परिसर में नई आधुनिक इमारत का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सतीश महाना, ओद्यौगिक विकास मंत्री, यूपी सरकार मौजूद थे।

कार्यक्रम की शुरूआत में शिशिर जयपुरिया, चेयरमैन, सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूशन्स ने स्वागत संबोधन दिया, उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में ग्रुप की 75 साल की विरासत का उल्लेख भी किया। ''75 सालों से जयपुरिया अकादमिक उत्कृष्टता का पर्याय बन चुका है। हम आधुनिक तरीकों से शिक्षाको समृद्ध बनाने के लिए प्रयासरत रहे हैंताकि हज़ारों छात्र लर्निंग का बेजोड़ अनुभव पा सकें'' शिशिरजयपुरिया ने कहा। नई इमारत के बारे में बात करते हुए शिशिर जयपुरिया ने कहा ''इस नई इमारत की अवधारणा और डिज़ाइन तैयार करने में व्यापक मंथन और विचार-विमर्श किया गया है। हम विश्वस्तरीय अध्ययन-अध्यापन सुविधा का निर्माण करनाचाहते थे, हमसे जुड़े आप सभी लोग इस बात से सहमत होंगे कि विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त यह इमारत लखनऊ के स्कूलों मेंअपनी अलग जगह बनाएगी। ''नई इमारतका आकार पुरानी इमारत सेदोगुना हैऔर इसमें 1500 छात्रों की क्षमताहै। इसमें एक इंडोर स्विमिंगपूल, एक बैडमिंटन कोर्ट, टाइक्वोंडो एरिना, शूटिंग और आर्चरीरेंज, जिम्नेज़ियम, कम्प्यूटर और रोबोटिक्सलैब, म्युज़िक और डांस रूम, रेडियो जॉकी रूम, फिल्ममेकिंग और एडिटिंग स्टुडियो, विज्ञान प्रयोगशाला और सभी सुविधाओं से युक्तप्ुस्तकालय भी है। स्कूल की प्रिंसिपल पूनमकोचिट्टी ने अपने संबोधन में पिछले पांच सालों के दौरान स्कूल की उपलब्धियों का उल्लेख किया।

सेठ आनंदराम जयपुरिया ग्रुप वर्तमान में उत्तर भारत में बाहर के-12 स्कूल, पांच प्री-स्कूल, दो बिज़नेस मैनेजमेन्ट संस्थान, एक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान में तथा कोलकाता में एक डिग्री कॉलेज का संचालन करता है।

PROFILE

सामुदायिक रेडियो: लोगों की आवाजों का मंच

बर्षा छाबरिया, आरजे

'जश्न है आवाजों का
जश्न है आगाजों का
माइक से मन तक
मुस्कुराते जन जन तक
रेडियो बस गीत नहीं
सिलसिला है मन के मीतों का
कुछ नए कदमों का
सच्चा सा कुछ बदलने का।
यह परिवार है,
यशस्वी का तो मालूम नहीं
घरोंदा है मनस्वियों का
मनोरंजन से मन-रंजन तक
रेडियो जश्न है बदलावों का।'

सालों से रेडियो का संबंध जीवन से मनोरंजन का रहा है। रेडियो संचार का एक ऐसा माध्यम रहा है जो आवाज के जरिये श्रोताओं को जोड़े रखता है। रेडियो को आवाजों के त्यौहार, जीवन में संचार के त्यौहार, जीवन के विभिन्न रंगों के त्यौहार और जीवन में बदलाव के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। आज रेडियो द्वारा समुदाय के जीवन में बदलाव आता है क्योंकि वह मनों से जुड़ता है, मनों को रंगता है, जीवन का एक अभिन्न अंग बन जाता है। आवाज के जरिये गीत और मनोरंजन ही रेडियो माना जाता रहा है। आज रेडियो मनोरंजन से मन-रंजन बन गया है।

आल इंडिया रेडियो से वाणिज्यिक रेडियो तक और आज हम सामुदायिक रेडियो के युग का हिस्सा बन चुके हैं। भारत देश में सामुदायिक रेडियो की शुरुवात मध्य 1990 में हुई। आधुनिक युग में सामुदायिक रेडियो विभिन्न रूपों में अपने श्रोताओं के लिए ऐसी प्रस्तुति लाते हैं, जो वाणिज्यिक रेडियो द्वारा नहीं लाये जाते हैं। सामुदायिक रेडियो की ख़ास बात यह है की यह समुदाय के साथ समुदाय की बात के ध्येय पर काम करता है। आम समुदाय की एकीकृत आवाजों को मंच देता है सामुदायिक रेडियो। शिक्षक कक्षा गत पाठ्यक्रम लाते हैं सामुदायिक रेडियो पर ताकि छात्र अपनी पढाई कर सकें, कोरोना के दौरान जो स्कूल पहुंच नहीं पाते उनकी मदद करते हैं रेडियो क्लासरूम जैसे कार्यक्रम।

माटी के गीत जैसे कार्यक्रम लोक गीतकारों की आवाजें लाता है, रेडियो थिएटर जैसे कार्यक्रम हिंदी के पितामह मुंशी प्रेमचंद जी की कहानियों का नाट्य रूपांतरण लाता है जिससे हिंदी भाषा को बढ़ावा दिया जा सके। सामुदायिक रेडियो द्वारा न केवल समुदाय की सहभागिता बढ़ती है वरन समुदाय में जागरूकता, सकारात्मक सोच, भाषा से जुड़ने का अवसर, शिक्षा और स्वास्थय से जुड़ कर बदलाव लाने का माध्यम भी बनता है। ग्रह उद्योग से घर की महिलाओं को सशक्त करता है सामुदायिक रेडियो, नीति निर्धारकों की मदद से समस्याओं का समाधान लाता है सामुदायिक रेडियो। 'यह रेडियो में मेरा 18वां वर्ष है,ऑल इंडिया रेडियो, कमर्शियल एफएम और पिछले एक दशक से सामुदायिक रेडियो, यह सफर मनोरजन से मन-रंजन को सार्थक होते हुए देखने का रहा है'

वॉइस ऑफ वाइसलेस

सामुदायिक रेडियो गीत, मनोरंजन हास्य से अलग समुदाय की सेवा पर जोर देता है, ऐसे कार्यक्रम और प्रयास लाते हैं जिनसे कोई नयी सीख लायी जा सके, जिससे समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाये जा सकें, सशक्तिकरण को स्वरुप दिया जा सके,अव्यक्त की अभिव्यक्ति, शिक्षा के नए आयाम और हुनर की नयी पहचान बने। सामुदायिक रेडियो को वॉइस ऑफ़ वाइसलेस माना जाता है, सामुदायिक रेडियो समुदाय में महिलाओं को सशक्त करने के लिए उन्हें एक नयी पहचान देता है, हुनरबाजों के हुनर को बढ़ावा देता है, युवाओं में सकारात्मक सोच की कड़ी बनता है और बदलाव का माध्यम।

मनोरंजन से मन-रंजन बन गया है रेडियो। जीवन
से ट्यून्ड है रेडियो, मनों से ट्यून्ड है रेडियो,
मनोरंजन से आज मन-रंजन है रेडियो
रेडियो हर वक्त के साथ बदला है।
मगर हर वक्त में साथ रहा है।
जीवन को गुनगुनाते रहिये।
रेडियो हर दिल में बस्ता है।
धड़कना सिखाता है।

योगी सरकार का पांचवां बजट पेश

यह प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा 5 लाख 50 हजार 270 करोड़ 78 लाख रुपये का बजट है...

कोरोना महामारी की चुनौती के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने पांचवां बजट पेश किया । स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ कोरोना वैक्सीन के लिए 50 करोड़ रुपये का फंड बनाया जाएगा। कृषि कानूनों को लेकर आंदोलन कर रहे किसानों को खुश करने के लिए रियायती दर पर फसली ऋण उपलब्ध कराने व आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना का एलान किया गया है। श्रमिकों को चिकित्सा व बीमा योजना का प्रावधान किया गया है। सरकार ने कोरोना महामारी के चलते रोकी गई विधायक निधि को बहाल करते हुए 2000 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है। बजट में इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट, एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं को भी रफ्तार दी गई है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने 22 फरवरी को विधानसभा में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 5 लाख 50 हजार 270 करोड़ 78 लाख का बजट पेश किया। विधान परिषद में नेता सदन डॉ. दिनेश शर्मा ने बजट पेश किया। बजट में युवाओं पर खास ध्यान देते हुए भविष्य के लिए अवसर पैदा करने के साथ-साथ रोजगार का भरोसा दिलाने की कोशिश की गई है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले पात्र छात्र-छात्राओं को टैबलेट देने का एलान किया गया है। यही नहीं, सभी मंडलों में राज्य विश्वविद्यालय खोलने की भी घोषणा की गई है। बजट में 27598.40 करोड़ रुपये की नई योजनाएं शामिल हैं। इसमें पश्चिमी यूपी, बुंदेलखंड व पूर्वांचल के प्रति दरियादिली दिखाई है। यह योगी सरकार का सबसे बड़ा बजट है।

प्रमुख घोषणाएं

- हर मंडल में एक राज्य विश्वविद्यालय बनेगा।
- लखनऊ में बनेगा जनजातीय संग्रहालय, इसके लिए 8 करोड़ की व्यवस्था।
- छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य गौरव पुरस्कार दिए जाएंगे।
- एक जिला- एक उत्पाद योजना के लिए 250 करोड़ रुपये।
- स्टेट स्पिनिंग कंपनी की परिसंपत्तियों को पुनर्जीवित कर पीपीपी मोड में औद्योगिक पार्क/आस्थान/क्लस्टर स्थापित कराए जाने का निर्णय।
- मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था।
- शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के पारंपरिक कारीगरों के लिए विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के लिए 30 करोड़ रुपये बजट की व्यवस्था।
- आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना के अंतर्गत किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य ।
- मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लिए 600 करोड़ रुपये।
- प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान के लिए वर्ष 2021-22 के लिए 15 हजार सोलर पंपों की स्थापना का लक्ष्य।
- आवास के लिए 10029 करोड़ का प्रावधान
- जेवर एयरपोर्ट के लिए 2000 करोड़ का बजट
- अयोध्या में एयरपोर्ट के लिए 101 करोड़ का बजट
- सोनभद्र एयरपोर्ट से 2021 में हवाई सेवाओ का संचालन शुरू होगा।
- कोरोना टीकाकरण के लिए 50 करोड़ रुपये प्रस्तावित।
- हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज बनाने का लक्ष्य

WEEKLY DAIRY

17 फरवरी

भारत-मॉरीशस सीईसीपीए, पहला व्यापार समझौता है, जो अफ्रीका के किसी देश के साथ किया जा रहा है। यह समझौता एक सीमित समझौता है, जो वस्तुओं के व्यापार, मूल नियमों, सेवाओं में व्यापार, व्यापार में तकनीकी बाधाओं (टीबीटी), एसपीएस उपायों, आदि को कवर करेगा।

18 फरवरी

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी ने अकादमी पुरस्कारों की घोषणा की। राजधानी के वरिष्ठ रंगकर्मी अनिल मिश्रा 'गुरुजी' और शास्त्रीय गायक पं. रामेश्वर प्रसाद मिश्र समेत 11 प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदेश में अकादमी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

19 फरवरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी ने पॉवरग्रिड के 320 केवी 2000 मेगावाट पुगलुर (तमिलनाडु)- त्रिशूर (केरल) एचवीडीसी का उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री के द्वारा 50 मेगावाट की कासरगोड सौर ऊर्जा परियोजना को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया।

खेल

■ दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फॉफ डु प्लेसिस ने 17 फरवरी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब वह छोटे प्रारूपों विशेषकर टी20 के अपने कॅरिअर पर ध्यान देंगे।

■ राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका बत्रा ने छह साल बाद फिर सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप के महिला वर्ग का खिताब जीत लिया।

■ भारतीय धाविका दुती चंद ने नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में इंडियन ग्रां प्री1 एथलेटिक्स प्रतियोगिता की 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा जीत ली।

■ दक्षिण अफ्रीका के ऑलराउंडर क्रिस मौरिस टी20 लीग के इतिहास में सबसे महंगी बोली में बिकने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने 16.25 करोड़ रुपये में खरीदा। उन्होंने छह साल पुराना युवराज सिंह का रिकॉर्ड तोड़ा है जिन्हें 2015 में दिल्ली कैपिटल्स ने 16 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि आईपीएल के इतिहास के सबसे महंगे क्रिकेटर अभी तक विराट कोहली ही हैं जिन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने 17 करोड़ रुपये में टीम में बरकरार (रिटेन) रखा है।

■ भारतीय टेनिस खिलाड़ी अंकिता रैना ने अंकिता ने रूस की अपनी जोड़ीदार कैमिला रखिमोवा के साथ मिलकर फिलिप आइसलैंड ट्रॉफी टूर्नामेंट में महिला युगल डब्ल्यूटीए खिताब जीता।

नियुक्ति

■ तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने 18 फरवरी को पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया। शपथ के बाद उन्होंने कहा कि वह 'जनता की राज्यपाल' के तौर पर कार्य करेंगी।

■ ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ब्रांड एंबेसडर बनीं सांसद हेमामालिनी वृंदावन (मथुरा)। सांसद हेमामालिनी उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बोर्ड की बैठक 14 फरवरी को वृंदावन स्थित पर्यटक सुविधा केंद्र पर हुई थी।

■ विश्व निकाय के महासचिव एंतोनियो गुटेरस ने वित्त एवं निवेश के क्षेत्र की जानी-मानी भारतीय विशेषज्ञ ऊषा राव-मोनारी को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की अवर महासचिव और एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर नियुक्त किया है। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में बीए ऑनर्स की डिग्री प्राप्त की है।

निधन

■ पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैप्टन सतीश शर्मा का बुधवार को गोवा में निधन हो गया। गांधी परिवार के करीबी रहे 73 वर्षीय शर्मा कैंसर से पीड़ित थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। कैप्टन शर्मा नरसिंहराव की सरकार में 1993 से 1996 तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री थे। वह रायबरेली और अमेठी से तीन बार सांसद रहे, जबकि पहली बार 1986 में राज्यसभा के लिए चुने गए।

■ प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. संजय राजाराम का कोरोना संक्रमण से अमेरिका में निधन हो गया। उन्होंने 18 फरवरी को अंतिम सांस ली। बड़ागांव के रायपुर (अनेई) गांव निवासी 80 वर्षीय डॉ. संजय को 2001 में तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायणन द्वारा पद्मश्री सम्मान दिया गया था। **-सौरभ सिंह**

विज्ञान

■ वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड में पृथ्वी से लगभग 897 प्रकाश वर्ष दूर एक दुर्लभ ग्रह मंडल की खोज की है। तीन तारों और दो ग्रहों वाला यह ग्रहमंडल दुर्लभ इसलिए है क्योंकि इसमें तारे और गृह विपरीत दिशा में घूमते हैं।

आरहूस विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक साइमन एलब्रेक्ट के अनुसार, इस ग्रहमंडल का नाम 'के2-290' है और इसके दोनों ग्रह मुख्य तारे 'के2-290 ए' के चक्कर काटते हैं।

आमतौर पर किसी भी ग्रह प्रणाली में तारे और ग्रह एक ही दिशा में चलते हैं। हमारे सौरमंडल में भी सूर्य और सभी गृह एक ही दिशा में चक्कर लगाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब 'के2-290 ए' की तुलना दोनो ग्रहों की कक्षाओं के साथ की गई तो उसकी धुरी लगभग 124 डिग्री झुकी पाई गई। प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस में प्रकाशित स्टडी के मुताबिक इस सिस्टम की खोज डेनमार्क की ऑरहूस यूनिवर्सिटी के साइमन आलब्रैच और मारिया होर्थ की टीम ने की है।

WEEKLYDAIRY

20 फरवरी

कोविड टीकाकरण के मामले में बिहार देश में पहले स्थान पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकडों के अनुसार वहां टीके की पहली खुराक 85% लाभार्थियों को दी जा चुकी है। टीकाकरण के मामले में त्रिपुरा दूसरे और ओडिसा तीसरे स्थान पर है।

21 फरवरी

भारत ने अपनी समुद्री सीमा के पड़ोसी देश मालदीव के चौतरफा विकास और सुरक्षा के प्रति वचनबद्धता दोहराते हुए उसके लिए रक्षा क्षेत्र में पांच करोड़ डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इस समझौते से समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में क्षमता निर्माण में मदद मिलेगी।

22 फरवरी

भारतीय विदेश मंत्री डॉक्टर एस. जयशंकर ने अपने दो दिवसीय विदेश दौरे के दूसरे और अंतिम दिन मॉरिशस की यात्रा की। राजधानी पोर्टलुइस में वित्तमंत्री आलन गन्नू ने उनकी अगवानी की। इस अवसर पर जयशंकर ने विभिन्न द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।

अमर ज्ञान वर्ग पहेली-0547

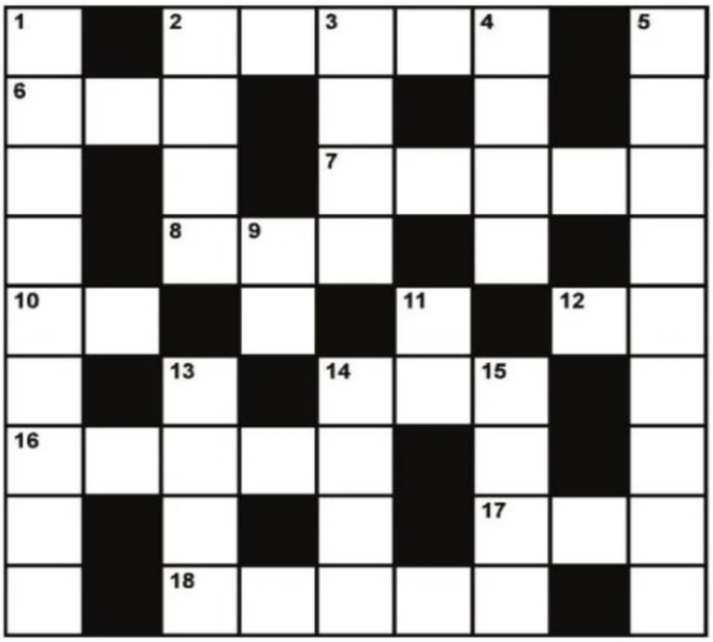

बाएं से दाएं: 10/36

2. अंग्रेज गवर्नर; वायसराय; बहुत बड़ा अधिकारी (2,3)
6. पहलगाम से होकर बहने वाली नदी (3)
7. वचन देना; वायदा करना (2,3)
8. तुरंत दिया रुपया; तैयार भुगतान; 'उधार' का उलटा (3)
10. जहाज; नाव; गुरिया का दाना; माला का दाना; ढंग; ढब; प्रवृत्ति अवसर; पारी; बारी; जमीन का लगान (2)
12. इटली की राजधानी (2)
14. भारत का एक राज्य जिसकी राजधानी दिसपुर है; जो समान न हो; विषम; ऊबड़-खाबड़ (3)
16. 28 फरवरी 1944 को जन्मे हिंदी फिल्मों के जाने माने गीतकार, संगीतकार जिनका 9 अक्टूबर, 2015 को मुंबई में निधन हो गया; 1985 में 'फिल्म राम तेरी गंगा मैली' के लिए 'फिल्मफ़यर सर्वश्रेष्ठ संगीतकार पुरस्कार' से सम्मानित संगीतज्ञ (3,2)
17. कूपक; जहाज के बीच में लगा पाल बांधने का ऊंचा व मोटा लट्ठा; नौका स्तंभ; मथूल (3)
18. ऊब होना; क्लांत होना; थक जाना; पस्त होना; शिथिल होना (3,2)

ऊपर से नीचे: 10/46

1. 6 सितंबर 1984 को जन्मा आयरलैंड का वामहस्त बल्लेबाज और दाहिने हाथ का गेंदबाज; 2006 में एकदिवसीय, 2008 में 20-20 तथा 2018 में टैस्ट मैच में पदार्पण करने वाला आयरलैंड का क्रिकेट खिलाड़ी (4,3,2)
2. एक कंपनी जिस पर कब्जा करने के धीरूभाई अंबानी के प्रयास को तत्कालीन वित्तमंत्री ने विफल कर दिया था; भारत की एक प्रमुख इंजीनियरिंग कंपनी '..... एंड टुब्रो' (4)
3. किसी के कार्य करने पर 'साधु-साधु' कहना; किसी के उत्तम कार्य करने पर की गई प्रशंसा (4)
4. अत्यधिकता; बहुतायत; वस्तु की अधिक मात्रा में उपलब्धि; समृद्धि; सौभाग्य (4)
5. अपना उद्देश्य पूरा करना; अपना मतलब पूरा करना; अपना हित साधना (3,2,4)
9. 1950 में यह पश्चिमी भारत का एक राज्य बना था जिसे 1 नवंबर 1956 को मुंबई राज्य में सम्मिलित कर दिया गा था; कछार; नदी किनारे की जमीन; दलदल वाली भूमि; बेला तट; धोती का वह छोर जिसे दोनों टांगों के बीच से निकालकर पीछे खोंस लेते हैं; लांग (2)
11. आकार के अनुसार विश्व का सबसे बड़ा देश; संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में वीटो प्राप्त एक देश (2)
13. शिव; रुद्रों के नाथ (4)
14. उपवास; मृत्युपर्यंत किया जाने वाला अन्न त्याग (4)
15. मदन मोहन मालवीय जी के लिए संबोधन; उच्च और उदार मन वाला; महानुभाव (4)

- हरीश चन्द्र सन्सी, विविधा विधा, दिल्ली

ANSWER

अमर ज्ञान वर्ग पहेली 0546

1 स	र	2 स	हो	3 ना	■	4 सं	■	5 अ
त्थे	■	म	■	6 म	हा	प्र	ता	प
7 द्र	व	र	सा	■	■	भु	■	ना
ना	■	कं	■	8 च	■	■	9 लो	हा
रा	■	10 द	श	म	द	11 शा	■	थ
12 य	क्ष	■	■	न	■	स	■	ज
ण	■	13 पो	■	■	14 ना	न	किं	ग
15 सि	द्धा	र	मै	16 या	■	तं	■	न्ना
न्हा	■	स	■	17 न	क्ष	त्र	प	थ

रोचक शब्द पहेली को हल करना किसी मनोरंजन से कम नहीं है। तो आप भी कीजिए अपना बुद्धि परीक्षण...

ENGLISH GYAN

Towards Better ENGLISH - 75

'Latest' and 'last':

We use 'latest' to talk about something that is the most recent or newest

- Have you seen her latest movie?
- This is his latest book.

'Last' means after everyone or everything else.

- Her latest movie is much better that her last one.
- At the last moment, he changed his mind.

Word /phrase of the week:

Turn a blind eye: to ignore something that you know is wrong; to pretend not to notice something bad.

- The officers were either unaware of the problem or they turned a blind eye to it.
- Don't turn a blind eye to matters that concern the people's welfare.

Interesting Fact:

Origin of 'Turn a blind eye': 'Turning a blind eye' comes from a comment made by British Admiral Horatio Nelson. In 1801 he led the attack alongside Admiral Sir Hyde Parker in the Battle of Copenhagen. Nelson was blind in one eye. Parker communicated to Nelson at one point, via flags, that he needed to retreat and disengage. Nelson, however, was convinced that he could prevail if they pushed onward. Nelson then, holding the telescope to his blind eye, pretended not to see the signal–making a sly comment to a fellow officer about reserving the right to use his blind eye every now and again.

डॉ. विनोद कुमार मंगवानी
सह-प्राध्यापक (अंग्रेजी), मर्चेंट नेवी संस्थान, पुणे

क्या आप जानते हैं?

अभाज्य संख्या का संसार बड़ा ही अनोखा है। ऐसी संख्या जो 1 और स्वयं से ही विभाजित हो उसे अभाज्य संख्या कहते हैं। अभाज्य संख्या कितनी है इस प्रश्न का उत्तर सबसे पहले युक्लिड ने अपनी पुस्तक एलिमेंट के 9 वें खंड में देने का प्रयास किया। इसके अलावा दो संख्याओं के बीच कितने अभाज्य संख्या हो सकते है का पता लगाने के लिए एरेटोस्थेनेज ने प्रयास किया और एक नियम का प्रतिपादन किया जिसे छलनी विधि कहते हैं। इस विधि में 1 से n तक के बीच अभाज्य संख्या का पता लगाने के लिए n के वर्गमूल से छोटी सभी संख्याओं के गुणज को काट दिया जाता है और शेष बची संख्या और n के वर्गमूल से छोटी सभी संख्या जो किसी से विभाजित ना हो अभाज्य संख्या का समूह बनाती है। एरेटोस्थेनेज एक गणितज्ञ, भूगोलविद एक खगोलविद था जो यूनान में पैदा हुआ था और भूगोल को एक अलग विषय के रूप में स्थापित करने का श्रेय भी इन्हीं को जाता है।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा की अभाज्य या रूढ़ संख्या को आप अगर अंग्रेजी अक्षरों के हिसाब से डिकोड करें और इनके अंकों को जोड़ें तो परिणाम भी एक अभाज्य संख्या होगा। अंग्रेजी में इसे PRIME कहते हैं और इन अक्षरों का मान का योग 16 + 18+ 9+13+5 = 61 है जो एक अभाज्य संख्या है।

अब अभाज्य संख्याओं के बढ़ते क्रम और घटते प्रतिशत पर एक नजर डालिए । जैसे जैसे दो संख्याओं के बीच का फासला बढ़ता है उनके मध्य अभाज्य संख्याओं की संख्या का प्रतिशत मान घटता जाता है।

0 से लेकर	अभाज्य संख्या	% अभाज्य	0 से लेकर	अभाज्य संख्या	% अभाज्य
10	4	40%	10000	1229	12.3%
100	25	25%	100000	9592	9.6%
1000	168	16.8%	1000000	78498	7.8%

यदि मजेदार बात करूं तो इकलौते अभाज्य संख्या जो सम संख्या भी है वो अंक 2 है और अन्य सभी जानकारी में प्राप्त अभाज्य संख्या विषम है। तथा 5 से बड़ी कोई भी अभाज्य संख्या 5 से अंत नहीं होती है। कुछेक अभाज्य संख्याये ऐसी है जिन्हें बायीं ओर से एक-एक संख्या हटते रहने के वावजूद प्राप्त संख्या भी अभाज्य ही रहती है यही हाल कुछ अन्य अभाज्य संख्याओं का है जिन्हें दायीं ओर से एक- एक अंक हटाने पर संख्या अभाज्य संख्या ही बचती है। उदाहरण के लिए 73939133 अबतक ज्ञात सबसे बड़ी ऐसी अभाज्य संख्या है जिससे बनाए सभी संख्या (दायीं ओर से 1 – 1 अंक को हटाने पर) अभाज्य संख्या ही प्राप्त होगा। 73939133, 7393913, 739391, 73939, 7393, 739, 73 तथा 7 सभी अभाज्य हैं इसी प्रकार बायीं ओर से एक- एक अंक हटाने पर भी 357686312646216567629137 से अभाज्य संख्या प्राप्त होता है। 24 अंकों से बनी अबतक की सबसे बड़ी ज्ञात संख्या है जिनसे 57686312646216567629137, 76863126462165676291 37, 68631264621656762913 7, ---- भी एक अभाज्य संख्या है। अभाज्य संख्याओं का प्रयोग कोडिंग तथा कंप्यूटर साइंस में होता रहा है और इसका मायाजाल इस कदर फैला हुआ है की पियरे डी फ़र्मा जो पेशे से वकील थे ।एक अभाज्य संख्या पर ऐसे अभाज्य संख्याओं का सम्बन्ध स्थापित कर गये जिसे 350 वर्ष लग गये तब जाकर सिद्ध किया जा सका।

अगर सबसे बड़ी अभाज्य संख्याओं की बात करना चाहें तो अबतक ज्ञात सबसे बड़ी अभाज्य संख्या में 24862048 अंकों की है और इसे पैट्रिक लारोचे ने खोजा। जिसका मान 2^82589933 – 1 है। 1988 में डबनर ने अभाज्य संख्याओं का ऐसा त्रिक बनाया जो समांतर श्रेणी में है – जैसे (3, 5, 7) (3, 7, 11) (3, 11, 39) (3, 23, 43),

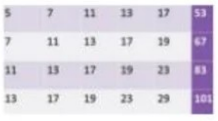

टमाटर की चटनी बनाने वाली कम्पनी हेंज ने एक अभाज्य जादुई वर्ग बनाने का काम किया जिसमे हेंज आयत कहते हैं इसमें सभी पंक्ति में अभाज्य संख्याये हैं तथा प्रत्येक पंक्ति का योग एक अभाज्य संख्या है।

-डॉ. राजेश कुमार ठाकुर

INTERNSHIP ALERT

ऑपरेशन्स इंटर्नशिप
कंपनी – U.K. पेपर कनवर्टर
कहां – लखनऊ
वेतन – 12,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन-http://bit.ly/AU-7011
आवेदन की अंतिम तिथि – 30 मार्च 2021

बिज़नेस डेवेलोपमेंट (सेल्स) इंटर्नशिप
कंपनी – नुट्रिवेल
कहां – लखनऊ
वेतन – 2,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- http://bit.ly/AU-7012
आवेदन की अंतिम तिथि – 30 मार्च 2021

टेलीकॉलिंग इंटर्नशिप
कंपनी – रोज़गार
कहां – लखनऊ
वेतन – 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- http://bit.ly/AU-7013
आवेदन की अंतिम तिथि – 30 मार्च 2021

वीडियो मेकिंग/एडिटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – कैलिफ़ोर्निया मेडिकल बिहेवियरल हेल्थ
कहां – लखनऊ
वेतन – 5,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- http://bit.ly/AU-7014
आवेदन की अंतिम तिथि – 30 मार्च 2021

UI/UX डिज़ाइन इंटर्नशिप
कंपनी – टेलीसेवक
कहां – लखनऊ
वेतन – 4,000-6,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- http://bit.ly/AU-7015
आवेदन की अंतिम तिथि – 30 मार्च 2021

डिजिटल मार्केटिंग इंटर्नशिप
कंपनी – प्रियदर्शिनी जंगम
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 3,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन-http://bit.ly/AU-7016
आवेदन की अंतिम तिथि – 30 मार्च 2021

टेक्निकल कस्टमर सपोर्ट इंटर्नशिप
कंपनी – इंफिनिटी बिज़नेस सोलूशन्स
कहां – वर्क फ्रॉम होम
वेतन – 25,000 रुपये प्रति माह
यहां करें आवेदन- http://bit.ly/AU-7017
आवेदन की अंतिम तिथि – 30 मार्च 2021

SCHOLARSHIP ALERT

जीईवी मेमोरियल मेरिट स्कॉलरशिप 2020-21 फॉर लॉ स्टूडेंट्स

विवरण :
जीईवी स्कॉलरशिप फंड ट्रस्ट भारत में स्नातक या स्नातकोत्तर स्तर पर कानून पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों से आवेदन आमंत्रित करता है। स्कॉलरशिप का उद्देश्य मेधावी कानून के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना और उन्हें प्रमुख भारतीय संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण कानूनी शिक्षा प्रदान करने में मदद करना है।

मानदंड : स्कॉलरशिप केवल भारतीय नागरिकों के लिए खुली है। छात्रों के द्वारा भारत के किसी मान्यता प्राप्त लॉ इंस्टीट्यूट में एलएलबी / एलएलएम डिग्री कोर्स के किसी भी वर्ष में पहले से ही दाखिला लिया गया होना चाहिए या 2021 में सीलेट, एलसेट-इंडिया, एआईलेट, या किसी अन्य लॉ एंट्रेंस एग्जाम के लिए आवेदन किया होना चाहिए। छात्रों को दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा में न्यूनतम 60% स्कोर करना आवश्यक है उनकी सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय रू 10,00,000 (10 लाख) से अधिक नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्हें जीईवी मेरिट स्कॉलर्स के अगले बैच की सहायता और पोषण के लिए स्कॉलरशिप फंड के वार्षिक मेंटरशिप कार्यक्रमों के लिए साइन-अप करने के लिए तैयार होना चाहिए।

इनाम/लाभ : 50,000 रुपये से 2,00,000 रुपये प्रति वर्ष

अंतिम तिथि : 28 फरवरी, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंकः www.b4s.in/au/GMM3

ADMISSION ALERT

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एंड डिज़ाइन

कोर्सः बैचलर इन फैशन डिज़ाइन, कम्युनिकेशन डिज़ाइन और इंटीरियर आर्किटेक्चर एंड डिज़ाइन

शैक्षणिक योग्यता : 12वी पास

कोर्स की अवधि : 4 साल

बैचलर इन फैशन बिज़नेस मैनेजमेंट

कोर्स अवधि : 3 साल

शैक्षणिक योग्यता : 12वी पास

पोस्ट ग्रेजुएट फैशन डिज़ाइन एंड फैशन बिज़नेस मैनेजमेंट

कोर्स अवधि : 2 साल

शैक्षणिक योग्यता : ग्रेजुएशन किसी भी स्ट्रीम से

आवेदन की आखिरी तिथि : 20 मार्च 2021

परीक्षा की तिथि : ऑनलाइन 27 -28 मार्च 2021
ऑफलाइन 28 मार्च 2021

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट : www.iiad.edu.in

पताः बी-26 ओखला एस्टेट मार्ग, पॉकेट बी, ओखला फेज 1, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली, 110020

दूरभाषः 91-9871383633, 011-41380000

आईआईएम अहमदाबाद रिसर्च असिस्टेंटशिप (ईपीएबीए) 2021

विवरण : इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद आईआईएम अहमदाबाद रिसर्च असिस्टेंटशिप (ईपीएबीए) 2021 के लिए मास्टर डिग्री धारकों से आवेदन आमंत्रित करता है।

मानदंड : फैलोशिप उन उम्मीदवारों के लिए खुली है जो फर्स्ट क्लास मास्टर डिग्री रखते हैं। उनके पास फर्स्ट क्लास के साथ एमबीए की डिग्री होनी चाहिए। उनकी आर और पायथन में दक्षता (प्रॉफीशिएंसी) होनी चाहिए। उनके पास वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने में स्टेटिस्टिकल मैथड्स के एप्लिकेशन्स से जुड़े प्रोजेक्ट / इंटर्नशिप / जॉब का अनुभव होना चाहिए।

इनाम/लाभ : 40,000 रुपये प्रति माह तक

अंतिम तिथि : 08 मार्च, 2021

आवेदन कैसे करें : केवल ईमेल के माध्यम से।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/MRA7

एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट (इंडिविजुअल सेंट्रिक) 2021

विवरण : साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (एसईआरबी) उभरते हुए और प्रसिद्ध वैज्ञानिकों से एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट (इंडिविजुअल सेंट्रिक) 2021 के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। यह योजना एक्टिव शोधकर्ताओं को कोर रिसर्च सहायता प्रदान करती है और विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उभरते वैज्ञानिकों को फंडिंग के व्यक्ति-केंद्रित प्रतिस्पर्धी मोड के लिए प्रोत्साहित करती है।

मानदंड : यह ग्रांट भारत के नागरिकों को दिया जाता है। वे भारत में किसी मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान या किसी राष्ट्रीय प्रयोगशाला या किसी अन्य मान्यता प्राप्त आरएंडडी संस्थान में नियमित अकादमिक/रिसर्च के पद पर कार्यरत हों। ग्रांट के लिए आवेदन करते समय पीआई और सह-अन्वेषक के पास विज्ञान, गणित, इंजीनियरिंग या एमडी/एमएस/एमडीएस/एमवीएससी में पीएचडी डिग्री होनी चाहिए।

इनाम/लाभ : कोर रिसर्च सपोर्ट

अंतिम तिथि : 08 मार्च, 2021

आवेदन कैसे करें : इसके लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

आवेदन लिंक : www.b4s.in/au/RBC7